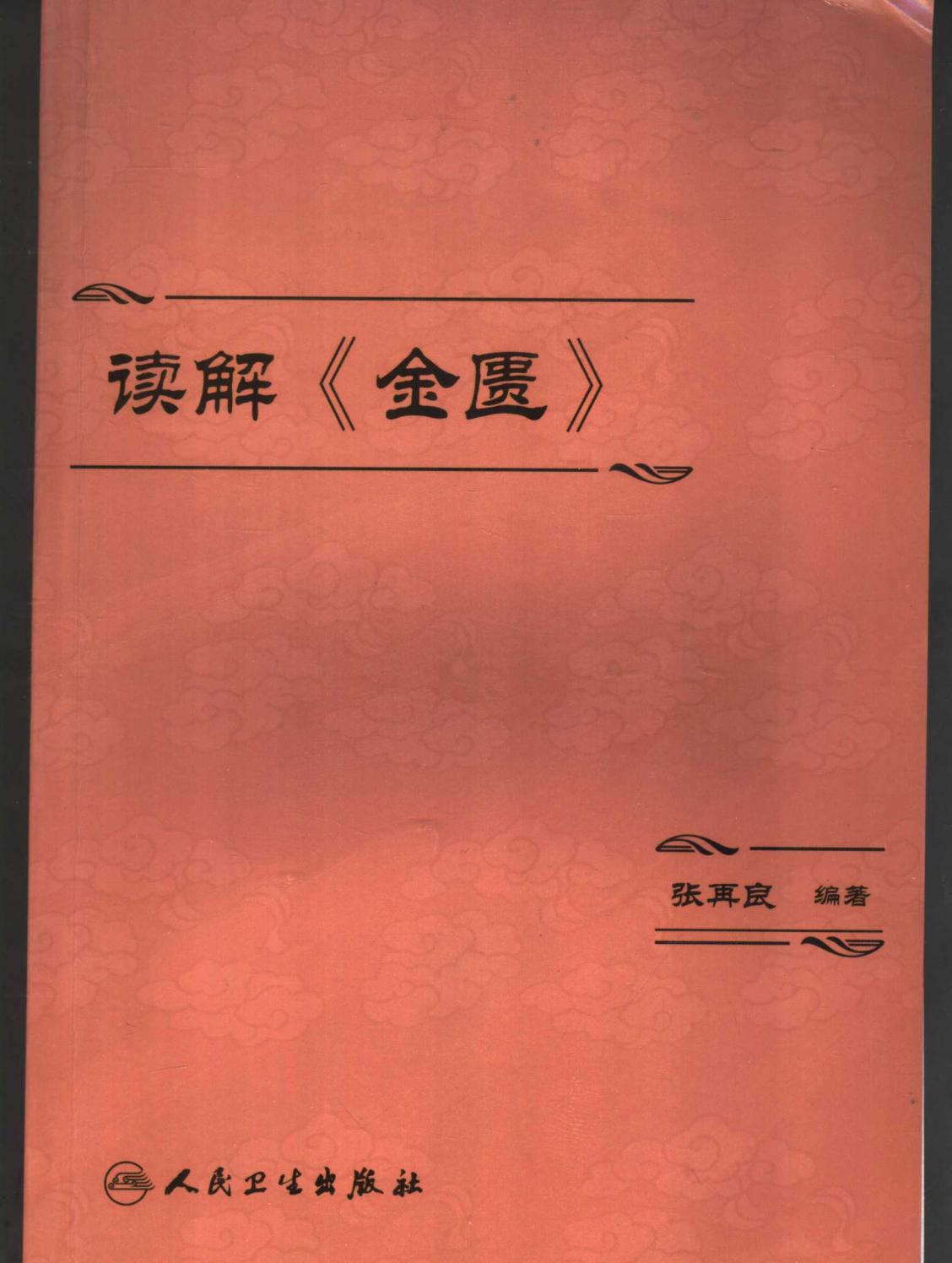


---

# 读解《全医》

---



---

张再良 编著

---

# 读解《金匮》

张再良 编著

人民卫生出版社

## 图书在版编目 (CIP) 数据

读解《金匱》 / 张再良编著 . —北京：  
人民卫生出版社， 2007. 10  
ISBN 978-7-117-09151-0  
I. 读… II. 张… III. 金匱要略方论—研究 IV. R222. 39  
中国版本图书馆 CIP 数据核字 (2007) 第 126643 号

## 读解《金匱》

编 著：张再良

出版发行：人民卫生出版社（中继线 010-67616688）

地 址：北京市丰台区方庄芳群园 3 区 3 号楼

邮 编：100078

网 址：<http://www.pmph.com>

E - mail：[pmph@pmph.com](mailto:pmph@pmph.com)

购书热线：010-67605754 010-65264830

印 刷：北京市卫顺印刷厂

经 销：新华书店

开 本：850×1168 1/32 印张：17.25

字 数：402 千字

版 次：2007 年 10 月第 1 版 2007 年 10 月第 1 版第 1 次印刷

标准书号：ISBN 978-7-117-09151-0/R · 9152

定 价：29.00 元

版权所有，侵权必究，打击盗版举报电话：010-87613394

(凡属印装质量问题请与本社销售部联系退换)

# 写在前面

读解《金匱要略》(以下简称《金匱》), 读是阅读, 解是理解, 先有阅读, 后有理解。寝馈《金匱》数十年, 反复阅读, 反复理解。在阅读中求理解, 有了理解后再阅读。通过阅读, 对以前的理解有巩固也有否定, 已经巩固了的东西有时又被否定, 已经否定了的东西有时又被肯定。反反复复, 颠来倒去, 这真是一个充满了思索、充满了困惑甚至是痛苦的过程, 然而, 追求就在其中, 乐趣也在其中。

阅读离不开文字, 阅读更离不开实践。实践, 甚至是更加重要的阅读。“纸上得来终觉浅, 绝知此事要躬行。”通过自己的或者他人的经验, 从临床实际来理解《金匱》, 这是读解中必须把握的方向。因为, 《金匱》是一本实实在在讲如何看病的书。时代有变迁, 临床有发展, 既要读出《金匱》指导中医临证的价值所在, 又要理解《金匱》应对临证治疗在具体方药方面的不足。通过实践来评判《金匱》的一切, 从而体悟临床证治的进步。

盯住《金匱》的文字是阅读, 通过增长其他方面的知识, 回过来理解《金匱》, 也是阅读, 在某种程度上甚至比仅仅停留在原文上更加重要。世上的道理有很多相通处, 况且中医原本是浑然一体的东西, 人为地将这些活生生的关联全部割断, 其结果可想而知。

知。所以，对《金匱》的理解，需要对中医的全面把握，需要在文史哲等方面的广泛阅读。同时，我们也不能排斥对现代医学知识的了解和熟悉，并且运用这些知识来帮助理解《金匱》。

读解《金匱》，越读越喜欢《金匱》，越读越难割舍对《金匱》的思索，读解《金匱》，已经成为了自己人生的重要部分。在阅读的过程中油然而生出对古人的敬意，崇敬我们的民族在困难条件下的探索和追求，崇敬历代医家的务实精神和智慧结晶。同时，在阅读中也会产生一丝丝的苦涩，这种时代局限所留下的印痕，触人心境，催人奋进。

读解是一个过程，一个漫长的过程，人生有限，每个人在此过程中都只是完成接力赛中的一棒。如果说，对《金匱》的读解始于元代赵以德的《金匱方论衍义》，其后注家渐多，在清代形成一定的局面。那么在今天，百家争鸣，百花齐放，读解《金匱》的各类文章书籍已经蔚为大观。数百年一晃而过，前人的努力，各有千秋，其中的成功与失败，成为我们继续前进的拐杖。

向前人学知识，学方法。民国时期的医家余无言在《伤寒论新义·自序》中提到，对仲景原文的注释应该注意和做到：①以经注经：举仲景原文，纵横驰策，以相呼应；②以精注经；采诸家学说精英，以相发明；③以新注经：引西医新说，以资汇通；④以心注经：以个人心得和诊疗经验，以资参考。仔细思量，确实应该如此，这里体现出的是既不厚古薄今，也不厚今薄古；既有历史的继承，又有与时俱进；既

有集思广益，也不排除个人见解。我赞赏这样的态度和方法，我愿意紧随其后做出一份我的努力。我们有理由做得比前人更好，同时也相信后人会比我们做得更好。

很清楚，我们再努力，每个人毕一生的精力，只不过是沧海一粟，也许毫不起眼。因为即使你做得再好，也无法将真理穷尽。但我们不会由此放弃努力，我们都乐意成为沧海中的一滴。本着这样的精神，我把我对《金匱》的读解坦陈给大家。我的认识到什么地步，话也就讲到什么地步，不务空凿虚，也不怕肤浅和错误，旨在和大家交流。我的见解，如果对大家能有些微的参考，那就是我最大的满足。

最后将本书撰写中的有关问题交代如下：

1. 本书分原文读解篇、专题发挥篇和附录。
2. 原文读解篇，包括绪言和对《金匱》的读解。
  - (1) 绪言中介绍了《金匱》的沿革、内容及注释、研究、学习的方法。
  - (2) 对《金匱》原文的读解，以原书各篇为单位。每篇中，首叙无标题概述，篇末有“结语”，以便讨论和归纳。
  - (3) 《金匱》原文均以明·赵开美校刻的《金匱要略方论》为蓝本，每条之后于括号内注明原条文序号。为了便于阅读和叙述，本书采用提纲归纳方式，与原书条文的顺序有所不同。
  - (4) 杂疗方等最后三篇，原样列出，不加读解，以便参考。
  - (5) 为了方便检阅，目录中将附方一并列出。鉴

于原书中对附方的处理，有的标记了“附方”二字，有的未予标识，故本书目录和正文中也做了区别处理，即原书中明确在“附方：”标题下出列的方剂，列于本书“附方：”下介绍；原书中没有明确为附方的，列于本书“（附方：）”下介绍。

3. 专题发挥篇，汇集了笔者有关《金匱》方面的文章，其中有已经发表的，也有尚未发表的，有的是与他人合作的。对发表过的文章，内容观点未做修改，只是根据新书出版要求略作标题序号调整和出版物规范化处理。

4. 附录中收录了后记和方剂索引等。

5. 为省篇幅，对叙述中涉及到的相关资料一般不注来源出处，敬请相关作者谅解。

**张再良**

2005年10月

## 金匱要略方论 序

张仲景为《伤寒杂病论》，合十六卷，今世但传《伤寒论》十卷，杂病未见其书，或于诸家方中载其一二矣。翰林学士王洙在馆阁曰，于蠹简中得仲景《金匱玉函要略方》三卷：上则辨伤寒，中则论杂病，下则载其方，并疗妇人。乃录而传之士流，才数家耳。尝以对方证对者，施之于人，其效若神。然而或有证而无方，或有方而无证，救疾治病，其有未备。国家诏儒臣校正医书，臣奇先核定《伤寒论》，次校定《金匱玉函经》，今又校成此书，仍以逐方次于证候之下，使仓卒之际，便于检用也。又采散在诸家之方，附于逐篇之末，以广其法。以其伤寒文多节略，故断自杂病以下，终于饮食禁忌，凡二十五篇，除重复，合二百六十二方，勒成上、中、下三卷，依旧名曰《金匱方论》。臣奇尝读《魏志·华佗传》云：“出书一卷曰：此书可以活人。”每观华佗凡所疗病，多尚奇怪，不合圣人之经，臣奇谓活人者，必仲景之书也。大哉！炎农圣法，属我盛旦，恭惟主上、丕承大统，抚育元元。颁行方书，拯济疾苦，使和气盈溢，而万物莫不尽和矣。

太子右赞善大夫臣高保衡、尚书都官员外郎臣孙奇、尚书司封郎中充秘阁校理臣林亿等传上。



# 目 录

## 金匱要略方论序

录

## 原文读解篇

|                    |    |
|--------------------|----|
| 绪言                 | 1  |
| 一、沿革               | 1  |
| (一) 宋以前仲景书的流传      | 2  |
| (二) 宋代《金匱要略方论》的校订  | 5  |
| (三) 宋以后《金匱要略方论》的刊行 | 7  |
| 二、内容               | 12 |
| (一) 具体病证           | 12 |
| (二) 诊断方法           | 16 |
| (三) 治法方剂           | 21 |
| (四) 论治特色           | 25 |
| 三、注释、研究和学习         | 26 |
| (一) 注释             | 27 |
| (二) 研究             | 30 |
| (三) 学习             | 31 |
| 脏腑经络先后病脉证第一        | 33 |
| 一、发病               | 34 |
| 1. 病因、预防及早治        | 34 |



目

录

|                        |            |    |
|------------------------|------------|----|
| 2. 疾病分类与五邪中人 .....     | 35         |    |
| 3. 气候反常 .....          | 36         |    |
| 4. 阴阳失衡 .....          | 37         |    |
| <b>二、诊断 .....</b>      | <b>38</b>  |    |
| 1. 面部望诊 .....          | 38         |    |
| 2. 观察呼吸 .....          | 39         |    |
| 3. 闻诊举例 .....          | 39         |    |
| 4. 脉诊举例 .....          | 40         |    |
| 5. 预后判断 .....          | 41         |    |
| <b>三、治则 .....</b>      | <b>42</b>  |    |
| 1. 已病防传与虚实异治 .....     | 42         |    |
| 2. 表里同病，宜分缓急 .....     | 43         |    |
| 3. 新病痼疾，治有先后 .....     | 44         |    |
| 4. 审视五脏喜恶 .....        | 44         |    |
| 5. 治当随其所得 .....        | 45         |    |
| 结语 .....               | 45         |    |
| <b>痉湿喝病脉证治第二 .....</b> | <b>47</b>  |    |
| <b>一、痉病 .....</b>      | <b>47</b>  |    |
| (一) 脉症 .....           | 47         |    |
| 1. 痉分刚柔 .....          | 47         |    |
| 2. 痉有热化 .....          | 48         |    |
| 3. 主脉 .....            | 49         |    |
| 4. 预后 .....            | 49         |    |
| (二) 证治 .....           | 50         |    |
| 1. 柔痉 .....            | 栝蒌桂枝汤..... | 50 |
| 2. 刚痉 .....            | 葛根汤.....   | 50 |



|                      |             |    |
|----------------------|-------------|----|
| 3. 里热成痉              | 大承气汤        | 51 |
| (三) 误治成痉             |             | 52 |
| <b>二、湿病</b>          |             | 52 |
| (一) 主症及治法            |             | 52 |
| 1. 湿痹                |             | 52 |
| 2. 湿郁发黄              |             | 53 |
| 3. 治当微汗              |             | 53 |
| 4. 误下变证              |             | 54 |
| (二) 证治               |             | 54 |
| 1. 头中寒湿              |             | 54 |
| 2. 寒湿在表              | 麻黄加术汤       | 55 |
| 3. 风湿袭表              | 麻杏薏甘汤       | 55 |
| 4. 风湿兼表气虚            | 防己黄芪汤       | 56 |
| 5. 风湿兼表阳虚            |             |    |
|                      | 桂枝附子汤、白术附子汤 | 57 |
| 6. 风湿兼表里阳气俱虚         | 甘草附子汤       | 58 |
| <b>三、喝病</b>          |             | 58 |
| (一) 主症及治禁            |             | 58 |
| (二) 证治               |             | 59 |
| 1. 热盛                | 白虎加人参汤      | 59 |
| 2. 湿重                | 一物瓜蒂汤       | 60 |
| <b>结语</b>            |             | 60 |
| <b>百合狐惑阴阳毒病脉证治第三</b> |             | 64 |
| <b>一、百合病</b>         |             | 65 |
| (一) 病机、主症及预后         |             | 65 |
| (二) 治则               |             | 66 |



|                 |               |
|-----------------|---------------|
| (三) 证治          | 66            |
| 1. 正治           | 百合地黄汤 66      |
| 2. 权变           | 67            |
| (1) 变渴          | 百合洗方 67       |
| (2) 渴甚          | 栝蒌牡蛎散 67      |
| (3) 发热          | 百合滑石散 67      |
| 3. 救误           | 68            |
| (1) 汗后          | 百合知母汤 68      |
| (2) 下后          | 滑石代赭汤 68      |
| (3) 吐后          | 百合鸡子汤 69      |
| <b>二、狐惑</b>     | 69            |
| 1. 主症及治法        | 69            |
| (1) 内服          | 甘草泻心汤 69      |
| (2) 外洗          | 苦参汤 70        |
| (3) 外熏          | 雄黄熏方 70       |
| 2. 酿脓           | 赤豆当归散 71      |
| <b>三、阴阳毒</b>    | 72            |
| 1. 阳毒           | 升麻鳖甲汤 72      |
| 2. 阴毒           | 升麻鳖甲汤去雄黄蜀椒 72 |
| <b>结语</b>       | 73            |
| <b>疮疡脉证并治第四</b> | 76            |
| <b>一、病机和治则</b>  | 76            |
| <b>二、疮母</b>     | 鳖甲煎丸 77       |
| <b>三、痒症</b>     | 78            |
| <b>四、温疮</b>     | 白虎加桂枝汤 79     |
| <b>五、牝疮</b>     | 蜀漆散 79        |



|                       |         |    |
|-----------------------|---------|----|
| 附方：牡蛎汤、柴胡去半夏加栝蒌根汤、    |         |    |
| 柴胡桂姜汤                 | 80      |    |
| 结语                    | 81      |    |
| <b>中风历节病脉证并治第五</b>    | 83      |    |
| <b>一、中风</b>           | 83      |    |
| (一) 脉症与病机             | 83      |    |
| 1. 脉症                 | 83      |    |
| 2. 咳僻不遂的机理及中风轻重不同的表现  | 84      |    |
| 3. 中风与癰疹              | 85      |    |
| (二) 证治                | 85      |    |
| (附方：) 侯氏黑散、风引汤、防己地黄汤、 |         |    |
| 头风摩散                  | 85      |    |
| <b>二、历节</b>           | 87      |    |
| (一) 病机                | 87      |    |
| 1. 肝肾不足，寒湿内侵          | 87      |    |
| 2. 阴血不足，风邪外袭          | 87      |    |
| 3. 阳气虚弱，风湿相合          | 88      |    |
| 4. 胃有蕴热，外感风湿          | 88      |    |
| 5. 过食酸咸，内伤肝肾          | 89      |    |
| (二) 证治                | 89      |    |
| 1. 风湿                 | 桂枝芍药知母汤 | 89 |
| 2. 寒湿                 | 乌头汤     | 90 |
| (附方：) 研石汤             | 91      |    |
| 附方：《古今录验》续命汤、《千金》三黄汤、 |         |    |
| 《近效方》术附汤、崔氏八味丸、       |         |    |
| 《千金方》越婢加术汤            | 91      |    |

目  
录

|                            |                     |
|----------------------------|---------------------|
| 结语 .....                   | 93                  |
| <b>血瘀虚劳病脉证并治第六 .....</b>   | <b>95</b>           |
| <b>一、血瘀 .....</b>          | <b>95</b>           |
| 1. 病机及轻症 .....             | 95                  |
| 2. 重症 .....                | 黄芪桂枝五物汤..... 96     |
| <b>二、虚劳 .....</b>          | <b>97</b>           |
| ( <b>一) 脉症.....</b>        | <b>97</b>           |
| 1. 典型脉象 .....              | 97                  |
| 2. 阴虚阳浮 .....              | 97                  |
| 3. 阴阳两虚 .....              | 98                  |
| 4. 虚劳盗汗 .....              | 98                  |
| 5. 虚劳无子 .....              | 98                  |
| 6. 大脉兼症 .....              | 99                  |
| 7. 脾肾两虚 .....              | 99                  |
| 8. 精血亏损 .....              | 100                 |
| ( <b>二) 证治 .....</b>       | <b>100</b>          |
| 1. 失精 .....                | 桂枝加龙骨牡蛎汤..... 100   |
| (附方:) 天雄散 .....            | 101                 |
| 2. 里急 .....                | 小建中汤、黄芪建中汤..... 101 |
| 3. 腰痛 .....                | 八味肾气丸..... 102      |
| 4. 兼风 .....                | 薯蓣丸..... 103        |
| 5. 失眠 .....                | 酸枣仁汤..... 104       |
| 6. 夹瘀 .....                | 大黄䗪虫丸..... 105      |
| 附方:《千金翼》炙甘草汤、《肘后》獭肝散 ..... | 106                 |
| 结语 .....                   | 107                 |



|                          |            |     |
|--------------------------|------------|-----|
| <b>肺痿肺痈咳嗽上气病脉证治第七</b>    | 110        |     |
| <b>一、肺痿</b>              | 110        |     |
| (一) 主症及病机                | 110        |     |
| (二) 证治                   | 111        |     |
| 1. 虚寒                    | 甘草干姜汤      | 111 |
| 2. 虚热                    | 麦门冬汤       | 112 |
| 附方：《外台》炙甘草汤、《千金》甘草汤、《千金》 |            |     |
| 生姜甘草汤                    | 《千金》桂枝去芍药加 |     |
| 皂莢汤                      |            | 112 |
| <b>二、肺痈</b>              | 113        |     |
| (一) 不同阶段的表现及病机           | 113        |     |
| (二) 证治                   | 114        |     |
| 1. 脓成                    | 桔梗汤        | 114 |
| 2. 喘甚                    | 葶苈大枣泻肺汤    | 115 |
| 附方：《外台》桔梗白散、《千金》苇茎汤      |            |     |
|                          |            | 116 |
| <b>三、咳嗽上气</b>            | 117        |     |
| (一) 辨别虚实                 | 117        |     |
| (二) 证治                   | 118        |     |
| 1. 寒饮郁肺                  | 射干麻黄汤      | 118 |
| 2. 痰浊黏肺                  | 皂莢丸        | 118 |
| 3. 饮热迫肺                  | 厚朴麻黄汤      | 119 |
| 4. 饮停水泛                  | 泽漆汤        | 120 |
| 5. 饮热壅肺                  | 越婢加半夏汤     | 120 |
| 6. 寒饮夹热                  | 小青龙加石膏汤    | 121 |
| <b>结语</b>                | 122        |     |

目  
录

|                     |             |
|---------------------|-------------|
| <b>奔豚气病脉证治第八</b>    | 124         |
| <b>一、病因及主症</b>      | 124         |
| <b>二、证治</b>         | 125         |
| (一) 肝郁奔豚            | 125         |
| (二) 误汗奔豚            | 126         |
| 1. 阳虚寒甚             | 桂枝加桂汤 126   |
| 2. 阳虚饮动             | 苓桂甘枣汤 126   |
| <b>结语</b>           | 127         |
| <b>胸痹心痛短气病脉证治第九</b> | 129         |
| <b>一、胸痹</b>         | 129         |
| (一) 病机              | 129         |
| (二) 证治              | 130         |
| 1. 典型证治             | 栝蒌薤白白酒汤 130 |
| 2. 重症               | 栝蒌薤白半夏汤 131 |
| 3. 虚实异治             | 131         |
| (1) 胸胃气逆            | 枳实薤白桂枝汤 131 |
| (2) 中焦虚寒            | 人参汤 132     |
| 4. 轻症               | 132         |
| (1) 饮停              | 茯苓杏仁甘草汤 133 |
| (2) 气滞              | 橘枳姜汤 133    |
| 5. 急症               | 薏苡附子散 133   |
| <b>二、心痛</b>         | 134         |
| 1. 饮停气逆             | 桂枝生姜枳实汤 134 |
| 2. 阴寒痼结             | 乌头赤石脂丸 134  |
| 附方：九痛丸              | 135         |



|                                   |         |     |
|-----------------------------------|---------|-----|
| 结语                                | 135     |     |
| <b>腹满寒疝宿食病脉证治第十</b>               | 137     |     |
| <b>一、腹满</b>                       | 138     |     |
| (一) 病机、脉症及治法                      | 138     |     |
| 1. 虚寒                             | 138     |     |
| 2. 实热                             | 139     |     |
| 3. 寒实内结，里阳虚衰                      | 139     |     |
| 4. 表里皆寒                           | 140     |     |
| 5. 中寒下利                           | 140     |     |
| 6. 寒实可下                           | 141     |     |
| (二) 证治                            | 142     |     |
| 1. 邪在太阳阳明                         | 厚朴七物汤   | 142 |
| 2. 少阳阳明合病                         | 大柴胡汤    | 143 |
| 3. 胀重于积                           | 厚朴三物汤   | 143 |
| 4. 胀积俱重                           | 大承气汤    | 144 |
| 5. 寒实内积                           | 大黄附子汤   | 145 |
| 6. 湿滞                             | 附子粳米汤   | 146 |
| 7. 虫动                             | 大建中汤    | 147 |
| 8. 饮逆                             | 赤丸      | 148 |
| <b>二、寒疝</b>                       | 149     |     |
| (一) 病机和典型证治                       | 乌头煎     | 149 |
| (二) 表里俱寒                          | 乌头桂枝汤   | 150 |
| (三) 血虚内寒                          | 当归生姜羊肉汤 | 151 |
| 附方：《外台》乌头汤、《外台》柴胡桂枝汤方、<br>《外台》走马汤 | 152     |     |
| <b>三、宿食</b>                       | 153     |     |